www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 327 || लखनऊ
सोमवार
02 मार्च 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:30
सूर्यास्त: 06:08
अधिकतम: 32°00
न्यूनतम: 16°00

पेज 03

विशेष समाचार
विकसित देश का मंत्र है वैज्ञानिक... >> पेज 02
यूपी में हाई अलर्ट, खामेनेई की मौत... >> पेज 04
ईरान के हमलों के बीच दुबई में फंसीं...

सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत

बेटी-दामाद, बहू-पोती भी मारी गईं, ईरान बोला- खतरनाक बदला लेंगे

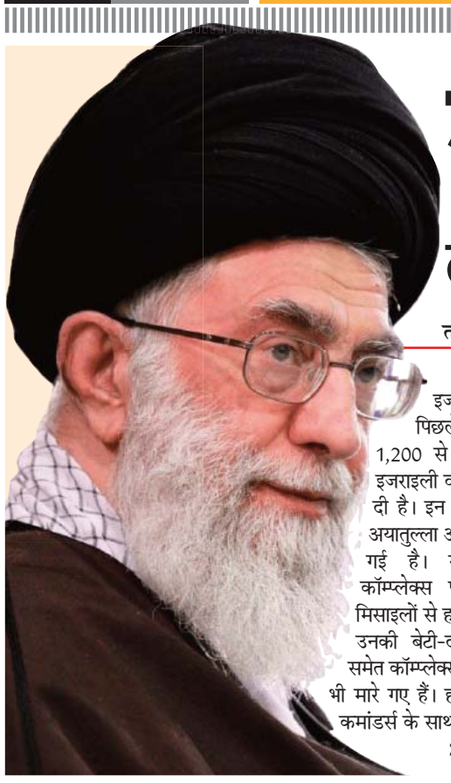

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल और अमेरिका ने पिछले 24 घंटे में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। इजराइली वायुसेना ने यह जानकारी दी है। इन हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। खामेनेई के ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर शनिवार को 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

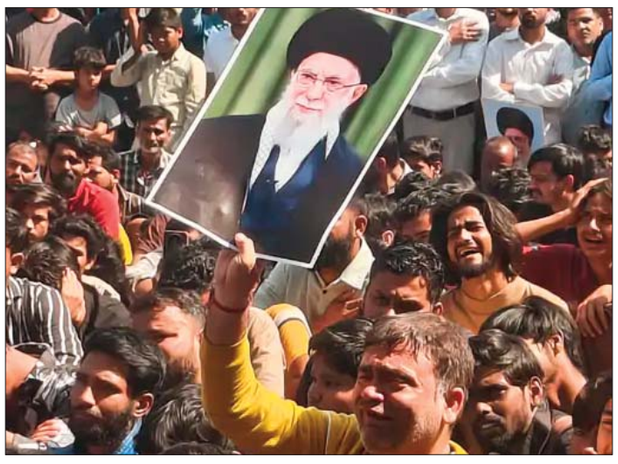

ईरान का पलटवार- इजराइल समेत 9 देशों पर हमला

1200 बम गिराए अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर 24 घंटे में

अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन हमलों में इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के 9 देशों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व UAE में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने UAE के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया। ईरान ने दुबई के पाम होटल एंड रिसोर्ट और बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला किया।

हमले से पहले

हमले के बाद

खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे बन सकते हैं सुप्रीम लीडर

ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई ने अपने दूसरे बेटे मुजतबा खामेनेई को साल 2024 में उत्तराधिकारी बनाया था। खामेनेई ने बीमारी के चलते यह फैसला लिया था। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की एक्सपर्ट असेंबली ने 26 सितंबर 2024 को ही नए सुप्रीम लीडर का चुनाव कर लिया था। खुद खामेनेई ने असेंबली के 60 सदस्यों को बुलाकर गोपनीय तरीके से उत्तराधिकारी पर फैसला लेने कहा था। असेंबली ने सर्वसम्मति से मुजतबा के नाम पर सहमति जताई थी। अब खामेनेई की मौत की खबर के बाद मुजतबा सुप्रीम लीडर के दावेदार के तौर पर सामने आ सकते हैं।

मौलाना रजवी बोले- मुस्लिमों के लिए बड़ा सदमा

बरेली के आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा- यह पूरी मुस्लिम उम्मत के लिए गहरा सदमा है। घटना केवल ईरान तक सीमित नहीं, इसके वैश्विक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने इसे मिल्लत के लिए 'अजीम नुकसान' करार देते हुए अंतर-राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ते तनाव पर चिंता जताई। मौलाना ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल लंबे समय से ईरान की सत्ता व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहे थे, जिससे क्षेत्रीय हालात और बिगड़ सकते हैं।

ईरान पर हमले के बाद ट्रम्प के 5 बड़े बयान

- इतिहास के सबसे क्रूर नेताओं में से एक, अली खामेनेई अब मर चुका है।
- खामेनेई की मौत के बाद ईरान का नेतृत्व कौन करेगा, यह जानता हूं।
- अमेरिका बमबारी पूरे हफ्ते या जब जरूरत रहेगी तब तक जारी रहेगी।
- ईरानी सैनिकों सरेंडर कर दो, अभी माफी मिल सकती है, बाद में केवल मौत की सजा होगी।
- हमले का मकसद अमेरिकी लोगों की सुरक्षा और खतरे को खत्म करना था।

1980 में तेहरान यूनिवर्सिटी के बाहर बैठे खामेनेई। वो अपनी सादगी के लिए जाने जाते थे।

1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के एक प्रोटेस्ट में खामेनेई।

ईरानी राष्ट्रपति बोले- दुश्मनों पर हमला जारी रहेगा

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजेश्कियान ने कहा है कि देश के सेनाएं दुश्मनों के सैन्य ठिकानों पर हमले जारी रखेंगी। उन्होंने यह बयान सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद दिया। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक पजेश्कियान ने कहा कि हम अपने सुप्रीम लीडर के नक्शे-कदम पर चलते रहेंगे। पजेश्कियान के बयान को ईरान के सरकारी टीवी चैनल पर ब्रॉडकास्ट किया जा रहा है।

"रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या निंदनीय हैं। पुतिन ने अपने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान को लिखे एक पत्र में कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या के संबंध में मेरी गहरी संवेदना स्वीकार करें, जो मानवीय नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन करते हुए की गई है।"

ईरान में 5 सबसे ताकतवर लोग और संस्थाएं

i. रहबर: ईरान में रहबर देश की सरकार, सेना, समाज और विदेश नीति पर फैसला करते हैं। वे सभी सेनाओं के कमांडरइनचीफ भी होते हैं। अब तक सिर्फ दो लोग इस पद पर आए हैं। खामेनेई 37 साल से रहबर थे। ईरान में रहबर, असेंबली, गार्डियन काउंसिल, राष्ट्रपति और संसद मिलकर देश चलाते हैं। लेकिन असली ताकत हमेशा रहबर के पास रहती है।

ii. असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स: इसमें 88 धर्मगुरु होते हैं। जनता हर 8 साल में इनके सदस्यों का चुनाव करती है। यह असेंबली रहबर को चुनती है और उनके काम पर नजर रखती है। अगर रहबर ठीक से काम न करें, तो उन्हें हटा भी सकती है।

iii. राष्ट्रपति: राष्ट्रपति देश का दूसरा सबसे ताकतवर नेता होता है। वे सरकार चलाते हैं और विदेश नीति में मदद करते हैं, लेकिन आखिरी फैसला हमेशा रहबर का होता है। राष्ट्रपति बनने के लिए गार्डियन काउंसिल की मंजूरी जरूरी होती है।

iv. गार्डियन काउंसिल: इसमें 6 धर्मगुरु और 6 जज होते हैं। हर 6 साल में रहबर इन्हें चुनते हैं। यह काउंसिल संसद के बनाए कानूनों को रोक भी सकती है।

v. संसद: इसमें 290 सदस्य होते हैं, जिन्हें जनता हर 4 साल में चुनती है। संसद कानून बनाती है, बजट पास करती है और जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति या मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है।

फास्ट न्यूज

भोपाल में लगे अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे

भोपाल। अमेरिका और इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर भारत के शिया समुदाय में भी शोक की लहर है। भोपाल के करोंद स्थित शिया मस्जिद में रविवार को जोहर की नमाज के बाद श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

प. बंगाल, 60 लाख वोटर जांच के घेरे में

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद शनिवार को फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी है। लिस्ट के मुताबिक, राज्य के करीब 60.06 लाख वोटर्स के दस्तावेज अभी भी जांच के घेरे में हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या मुस्लिम बहुल और सीमावर्ती जिलों की है। आयोग ने राज्य की मतदाता सूची से कुल 63.66 लाख नाम हटा दिए हैं। बंगाल के कुल वोटर्स की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई है। वहीं भाजपा ने इसे 'घुसपैठियों के खिलाफ निर्णायक जंग' करार दिया है। चुनाव आयोग के डेटा के अनुसार, मुर्शिदाबाद जिले में सबसे ज्यादा 11.01 लाख वोटर्स ऐसे हैं जिनकी स्क्रूटनी अभी पेंडिंग है।

पटियाला लॉ यूनिवर्सिटी से राजीव गांधी का नाम हटेगा

पटियाला। पटियाला की राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी का नाम बदला जा सकता है। इसमें से राजीव गांधी का नाम हटाने का प्रस्ताव किया जा रहा है। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की अकादमिक काउंसिल ने विश्वविद्यालय के नाम से पूर्व प्रधानमंत्री Rajiv Gandhi का नाम हटाने का प्रस्ताव पारित किया है। यह प्रस्ताव अब मैनेजमेंट बोर्ड को भेजा जाएगा। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद अंतिम निर्णय के लिए मामला पंजाब सरकार के पास जाएगा।

पश्चिम बंगाल में 50 लाख घुसपैठिए वोटर लिस्ट से हटाए

भाजपा अध्यक्ष का दावा- ये देश की सुरक्षा के लिए खतरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कूच बिहार। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में भाजपा की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए नवीन ने दावा किया कि बंगाल में 50 लाख से ज्यादा घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से हटाया गया है। पश्चिम बंगाल में एक दिन पहले ही स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) के बाद जारी वोटर लिस्ट से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं। नवीन ने आरोप लगाया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, वे घुसपैठिए थे और वे असली नागरिकों के लिए बनी सरकारी नौकरियों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे। ये लोग न सिर्फ असली नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे थे, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा थे। घुसपैठियों के लिए हमारा संदेश है कि अब समय आ गया है कि उन्हें बंगाल की धरती से बाहर किया जाए। हमें न सिर्फ घुसपैठियों को हटाना है, बल्कि एक मजबूत सरकार भी बनानी है जो विकास ला सके।

पीएम ने तमिलनाडु-पुडुचेरी में 7,100 करोड़ के प्रोजेक्ट्स शुरू किए, तिरुप्परनकुंद्रम में मंदिर में पूजा की

विकसित भारत में तमिलनाडु का अहम योगदान : मोदी

उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। PM नरेंद्र मोदी रविवार को पुडुचेरी और तमिलनाडु पहुंचे। पुडुचेरी में उन्होंने 2700 करोड़ और तमिलनाडु में 4,400 करोड़ रुपए से ज्यादा के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। साथ ही तमिलनाडु में ही आठ नए बने अमृत भारत रेलवे स्टेशनों, तीन नए आकाशवाणी FM रिले ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया। मोदी ने कहा, तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

डीएमके ने कभी मदुरै को पसंद नहीं किया- मोदी

2021 में, 25 लंबे वर्षों के बाद, DMK को अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला। लेकिन उन्होंने सुशासन नहीं दिया। उन्होंने वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देते हुए राज्य को लूटा और जनता की आकांक्षाओं को नजरअंदाज किया। मदुरै को देखिए। मदुरै ने एमजीआर का साथ दिया, जिन्हें इस शहर से बेहद प्यार था; यही कारण है कि DMK ने कभी मदुरै को पसंद नहीं किया।

मोदी बोले आप लोग मुझ पर जो स्नेह बरसा रहे हैं, उससे मुझे पिछले महीने मलेशिया की अपनी यात्रा की याद आ गई। मुझे अपने तमिल भाइयों और बहनों से जो स्नेह मिला, वह असाधारण था। वहां तमिल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, हमने मलाया विश्वविद्यालय में तिरुवल्लुवर चेयर की स्थापना पहले ही कर दी है। तमिलनाडु में बदलाव की प्रबल इच्छा साफ झलक रही है। डीएमके के शासनकाल में किए गए वादे पूरे न होने और भ्रष्टाचार ने जनता को निराश किया है। एनडीए ही लोगों की पहली पसंद है।

पीएम ने इन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

- PM ई-बस सेवा पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत।
- स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन।
- CITIIS योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए घरों का उद्घाटन।
- पुडुचेरी सरकार के सीवरेज और पानी सप्लाई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन।
- करसुर-सेदारापेट इंडस्ट्रियल एस्टेट (750 एकड़) राष्ट्र को समर्पित किया।

आयोजन हमें खत्म करने के लिए मोदी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे थे

कोर्ट का फैसला भाजपा के मुंह पर तमाचा : केजरीवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला भारतीय जनता पार्टी के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने दिल्ली के जंतर मंतर पर रविवार को एक रैली में कहा कि AAP को खत्म करने के लिए मोदी जी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उन्होंने मोदी और शाह पर 4 साल तक परेशान करने का आरोप लगाया। शराब घोटाले के में बरी होने के बाद इस रैली का आयोजन किया गया था। उन्होंने रैली में शराब घोटाले केस में कोर्ट के फैसले की तारीफ की। उन्होंने इसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश के लोगों के पक्ष में बताया। दिल्ली के पूर्व सीएम और AAP नेता अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में शनिवार को पूजा की। उनके साथ पत्नी सुनीता केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, AAP सांसद संजय सिंह समेत अन्य नेता मौजूद रहे। शुक्रवार को दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई मामले में केजरीवाल-सिसोदिया समेत 23 लोगों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बरी किया था। कल शाम केजरीवाल ने AAP दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी।

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के जंतर मंतर पर रैली को संबोधित किया।

ईडी मामले में भी बरी हो सकते हैं केजरीवाल

अगस्त 2022 में CBI की चार्जशीट के आधार पर ED ने भी इस मामले में केस दर्ज किया था। ED के मामले भी अभी सुनवाई जारी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि CBI मामले में केजरीवाल समेत अन्य लोगों के बरी होने के कारण ये सभी ED मामले में भी बरी हो सकते हैं। क्योंकि ED का मामला अब कमजोर पड़ गया है।

केजरीवाल के भाषण की बड़ी बातें

- BJP नेताओं ने मुझपर 100 करोड़ रुपए लेने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, लेकिन अदालत ने कहा कि केस फर्जी है। अदालत का फैसला मोदी, अमित शाह और BJP के लिए करारा जवाब है।
- AAP को खत्म करने के लिए खुद प्रधानमंत्री इस केस की निगरानी कर रहे थे। IIT से पढ़ाई के बाद मैं अमेरिका जा सकते थे, लेकिन देश सेवा के लिए भारत में ही रहा।
- इनकम टैक्स विभाग में नौकरी के दौरान मैंमे रिश्वत लेने से मना किया और ईमानदारी से काम किया। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी मेरे खिलाफ कई जांच कराई गईं, लेकिन कुछ साबित नहीं हुआ।
- कांग्रेस और BJP दोनों ने 12 साल में देश को अच्छी सड़कें, पानी और बेहतर व्यवस्था नहीं दी। रेलवे, एयरलाइंस, बैंक और शिक्षा व्यवस्था खराब हो गई है।

महाराष्ट्र के नागपुर में बारूद कंपनी में ब्लास्ट, 17 की मौत

18 लोगों की हालत गंभीर, मटेरियल बनाते वक्त धमाका हुआ

धमाका

तमसा संकेत, एजेंसी

नागपुर (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार सुबह करीब 7 बजे धमाका हो गया। हादसे में 17 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत गंभीर है। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची। फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। फायर ब्रिगेड ने बताया कि ब्लास्ट से कंपनी में चारों तरफ मलबा फैल गया है। मलबे में दबे कुछ कर्मचारियों को निकाला गया है। 15 घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया गया है। वहीं पीएम मोदी ने घटना पर शोक जताया, साथ ही मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार की सहायता राशि देने की घोषणा की।

- धमाके की आवाज सुनकर आसपास के गांव के लोग मौके पर जमा हो गए।
- मौके पर एंबुलेंस। घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया रहा है।

सम्पादकीय

एक नई जंग, मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव

अमेरिका जिस तरह बीते कुछ दिनों से ईरान को चेतावनी देने के साथ ही उसकी घेरेबंदी कर रहा था, उससे ऐसा लगता था कि उसका उद्देश्य उससे वार्ता कर उसे इसके लिए बाध्य करना भर है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम का परित्याग कर दे, लेकिन उससे बातचीत के बीच ही उसने इजरायल संग उस पर हमला बोल दिया। इसके जवाब में ईरान ने भी इजरायल के साथ ही पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उसका साथ देने के लिए लेबनान के हिजबुल्ला और यमन के हाउती भी आगे आ गए हैं। इसका परिणाम ईरान पर इजरायल एवं अमेरिका के हमले और तेज होने के रूप में ही सामने आएगा। इससे आपसी मतभेदों के दौर से गुजर रहे अरब जगत के साथ-साथ पश्चिम एशिया और अस्थिर तो होगा ही, तेल के दाम भी बढ़ सकते हैं। इसके साथ ही विश्व शांति के लिए और गहरा संकट पैदा हो सकता है। इसलिए और भी, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरानी जनता से अपनी सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील करते हुए कहा है कि लक्ष्य पूरा होने तक अमेरिका रुकेगा नहीं। ट्रंप का लक्ष्य केवल ईरान के परमाणु हथियार बनाने वाले तंत्र को ध्वस्त करना ही नहीं, बल्कि वहां सत्ता परिवर्तन करना भी है। इसीलिए ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई के आवास पर भी हमले किए गए। यह जंग ऐसे समय शुरू हुई है, जब रूस-यूक्रेन युद्ध चार साल बाद भी जारी है और पिछले दिनों अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान में भी युद्ध छिड़ गया। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच का सैन्य संघर्ष कहीं अधिक व्यापक असर वाला हो सकता है। इससे भारत भी प्रभावित होगा। उसके समक्ष न केवल पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में रह रहे लाखों भारतीयों को निकालने की चुनौती पैदा हो सकती है, बल्कि महंगे कच्चे तेल की खरीदारी की बाध्यता भी। यह भी तय है कि इस जंग में वह किसी भी पक्ष के साथ खड़ा नहीं दिखना चाहेगा।

विकसित देश का मंत्र है वैज्ञानिक सोच, शोध-अनुसंधान का मतलब केवल पीएचडी कर लेना नहीं

> भारत के कुछ गिने-चुने ऐसे संस्थान हैं, जिन्होंने अपनी प्रगति और कामयाबी से दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसरो इनमें सबसे आगे है, लेकिन भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लिए इकलौते इसरो या आईआईटी से ही काम नहीं चलने वाला। हमें देश के अन्य उच्चस्तरीय संस्थानों में भी रिसर्च का एक बेहतर इकोसिस्टम विकसित करना होगा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों को याद करने का ही नहीं, बल्कि बच्चों, युवाओं से लेकर आमजन में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का अवसर भी बनना चाहिए। अगर भारत को विकसित देश बनना है, तो उसमें विज्ञान की बड़ी अहम भूमिका होगी। यह भूमिका तभी सार्थक होगी, जब हम वैज्ञानिक शोधों को अपनी कार्यसंस्कृति का हिस्सा बना लें। इसके लिए आवश्यक होगा कि हम बुनियादी स्तर से ही बच्चों को ऐसी जानकारियां देने के उपाय करें, जो उनमें वैज्ञानिक सोच के विकास में सहायक बने। इसके लिए पारंपरिक ज्ञान के साथ ही वैज्ञानिक स्वभाव भी विकसित करना होगा। इसके लिए बच्चों को हर तरह के सवाल पूछने के लिए भी प्रोत्साहित करना होगा। बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने के लिए उनमें आसपास की चीजों को समझने के प्रति कौतूहल भी पैदा करना होगा। पढ़ाई में रटने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है कि हमारे बच्चे प्रयोगशालाओं में प्रयोग करें और अपनी गलतियों से सीखें। 'करके सीखने' अर्थात लर्निंग बाय डूइंग के माध्यम से छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक प्रयोगशाला के अनुभवों में सहायता मिलेगी। हालांकि यह सिर्फ सोचने भर से नहीं होगा। इसके लिए हमें गांवों से लेकर शहरों तक स्कूलों में अच्छी विज्ञान प्रयोगशालाओं का व्यापक जाल बिछाना होगा। इसी सोच से प्रेरित भारत सरकार द्वारा गत वर्ष अक्टूबर तक 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की जा चुकी हैं और अगले पांच वर्षों में 50,000 नई अटल टिंकरिंग लैब्स स्कूलों में स्थापित करने की योजना बनाई है। नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के तहत इन लैब्स का उद्देश्य कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, रचनात्मकता और स्टेम (साइंस-टेक्नोलॉजी-इंजीनियरिंग-मैथ) कौशल को बढ़ावा देना है। यह पहल हर जिले में तकनीक-आधारित नवाचार को बढ़ावा देगी। इस क्रम में

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद यानी सीएसआईआर का 'जिज्ञासा' कार्यक्रम स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक चेतना और जिज्ञासा जगाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य "करके सीखने" (लर्निंग बाय डूइंग) के माध्यम से छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक प्रयोगशाला के अनुभवों से जोड़ने में सहायक हो रहा है। इसरो का युविका (युवा विज्ञानी कार्यक्रम) स्कूली बच्चों में विज्ञान और अंतरिक्ष तकनीक के प्रति गहरी समझ और रुचि विकसित करने के लिए एक शानदार पहल है। इसे 'कैच देम यंग' यानी छोटी अवस्था में ही स्कूली छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के प्रति रुचि जगाकर उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आकार दिया गया है। दो सप्ताह के इस आवासीय कार्यक्रम में छात्रों को प्रख्यात विज्ञानियों से मिलने, प्रयोगशालाओं का दौरा करने और व्यावहारिक प्रयोग (मॉडल राकेट्री) करने का अवसर भी मिलता है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस भी बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। यह कार्यक्रम छात्रों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक दुनिया की समस्याओं को वैज्ञानिक पद्धति से सुलझाने के लिए प्रेरित करता है। एनसीईआरटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी भी बच्चों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बन गई है। यह प्रदर्शनी केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवा मस्तिष्कों में नवाचार और रचनात्मकता का संचार करने वाला एक उत्सव है। राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विजन के अनुरूप बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रही है। इसी प्रकार स्पायर अवॉर्ड मानक प्रतियोगिता भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो स्कूली बच्चों में न केवल विज्ञान के प्रति रुचि पैदा कर रही है, बल्कि उनमें एक गहरा वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी विकसित कर रही है। यह योजना बच्चों को अपने आसपास की समस्याओं को पहचानने और उनके लिए मौलिक समाधान सोचने के लिए प्रेरित करती है। ये सब प्रयास तब और रंग लाएंगे, जब देश का उद्योग जगत अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप वैज्ञानिक अध्ययन संस्थानों से गठजोड़ करके अनुसंधान का सिलसिला शुरू कर उसे गति प्रदान करे। अगर शिक्षा और उद्योग क्षेत्र में यह साझेदारी विकसित हो जाती है तो भारत को जल्द विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। भारत के कुछ गिने-चुने ऐसे संस्थान हैं, जिन्होंने अपनी प्रगति और कामयाबी से दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसरो इनमें सबसे आगे है, लेकिन भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लिए इकलौते इसरो या आईआईटी से ही काम नहीं चलने वाला। हमें देश के अन्य उच्चस्तरीय संस्थानों में भी रिसर्च का एक बेहतर इकोसिस्टम विकसित करना होगा। यह भी ध्यान रखा जाए कि शोध-अनुसंधान का मतलब केवल पीएचडी कर लेना नहीं है। शोध तभी सफल है जब उसके केंद्र में यह बिंदु हो कि दैनिक जीवन को सुगम बनाने के लिए वह क्या योगदान कर सकता है? विज्ञान तभी सार्थक है जब कोई भी सामान्य समझ वाला व्यक्ति उसे आसानी से आत्मसात कर उसका उपयोग कर सके।

■ डॉ. सुशील द्विवेदी

नई व्यवस्था की जरूरत

दिल्ली के बहुचर्चित शराब घोटाले में सीबीआई की राऊज एवेन्यू कोर्ट की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपितों को बरी किया जाना जहां इन दोनों नेताओं और उनकी पार्टी के लिए एक बहुत बड़ी जीत है, वहीं जांच एजेंसी के साथ-साथ भाजपा के लिए बड़ा झटका है। अदालत ने यह पाया कि पूरे मामले में कोई साजिश नहीं थी और सीबीआई ने केवल अनुमान के आधार पर षड्यंत्र की कहानी गढ़ी। विशेष जज ने अपने फैसले में यह भी कहा कि मैं पहली बार ऐसी चार्जशीट देख रहा हूं, जिसमें इतनी अधिक खामियां हैं। उन्होंने लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी बात कही। जब केजरवाल सरकार नई आबकारी नीति लाई थी तो कांग्रेस-भाजपा ने इसे घोटाले का नाम दिया। इसके बाद उपराज्यपाल की पहल पर मामला दर्ज हुआ और जांच सीबीआई को सौंपी गई। इस दौरान ऐसे आरोप उछले कि आबकारी नीति के जरिये कुछ लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाने से दिल्ली सरकार को दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। इस मामले में सीबीआई के बाद ईडी ने भी दखल दिया, लेकिन सीबीआई का केस खारिज होने के बाद ईडी के मामले के भी खारिज होने के आसार हैं। इन दोनों जांच एजेंसियों ने इस कथित घोटाले को लेकर पर्याप्त साक्ष्य होने के दावे किए और फिर एक के बाद एक कई लोगों को गिरफ्तार किया। प्रमुख लोगों में पहले मनीष सिसोदिया गिरफ्तार हुए और फिर अरविंद केजरीवाल। दोनों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल सकी। हालांकि सीबीआई केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य को बरी करने के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट गई है, पर राऊज एवेन्यू कोर्ट के जज ने उसके खिलाफ जैसी टिप्पणियां की हैं, उनसे यह संदेह होता है कि कहीं सीबीआई ने मनमाने तरीके से तो जांच नहीं की? यही सवाल ईडी को लेकर भी है। ध्यान रहे कि न जाने कितने ऐसे मामले हैं, जिनमें सीबीआई प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट और ईडी प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत मिली शक्तियों के सहारे नेताओं, कारोबारियों समेत अन्य अनेक लोगों को घपले-घोटालों के आरोप में गिरफ्तार कर लेती है और फिर उनमें से अधिकांश साक्ष्य के अभाव में बरी हो जाते हैं, लेकिन जब तक ऐसा होता है, तब तक संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा पर आंच आ चुकी होती है और उसकी भरपाई नहीं हो पाती। इसीलिए राऊज एवेन्यू कोर्ट के जज ने कहा कि जब किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता बाधित हो जाती है तो उसके बरी होने के बाद भी वह सार्थक रूप से बहाल नहीं होती और अन्यायपूर्ण हिरासत से हुई क्षति की पूर्ति भी नहीं हो पाती। वास्तव में ऐसे लोगों को आर्थिक के साथ सामाजिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। नेता भी नुकसान उठाते हैं, लेकिन बरी होने के बाद वे लोगों की हमदर्दी हासिल कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करते हैं। उन्हें यह प्रचारित करने में आसानी होती है कि वे राजनीतिक बदले की कार्रवाई का शिकार हुए।

संजय गुप्त

जन सुराज का...

रामस्वरूप रावतसरे

मेक्सिको में कुख्यात ड्रग माफिया की मौत पर भड़की हिंसा, क्या संदेश देती है?

मेक्सिको इस समय अपने हालिया इतिहास के सबसे गंभीर सुरक्षा संकटों में से गुजर रहा है। देश के कई राज्यों में अचानक भड़की हिंसा, आगजनी, गोलीबारी, सड़क जाम और व्यापक दहशत ने आम जनजीवन को लगभग ठप कर दिया है। सार्वजनिक परिवहन से लेकर हवाई सेवाएँ तक प्रभावित हुई हैं। बाजार बंद हैं, स्कूलों में छुट्टियाँ घोषित कर दी गई हैं और लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी गई है। इस पूरे घटनाक्रम की जड़ में है मेक्सिको के सबसे कुख्यात ड्रग माफिया एल मेंचो की मौत। एक बड़े सैन्य ऑपरेशन में उसकी मौत के बाद उसके संगठन जालिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) ने पूरे देश में जवाबी हिंसा छेड़ दी। हालात इतने बिगड़ गए कि भारत, अमेरिका और कनाडा जैसे देशों को भी अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। 22 फरवरी 2026 की देर रात मेक्सिको के पश्चिमी राज्य जालिस्को के छोटे से कस्बे टपालपा में सेना और सुरक्षा बलों ने एक अत्यंत गोपनीय और बड़े स्तर का ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन का मकसद था सीजेएनजी के सरगना एल मेंचो को पकड़ना या मार गिराना। मुठभेड़ के दौरान एल मेंचो गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत हेलीकॉप्टर से इलाज के लिए मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जैसे ही यह खबर फैली, सीजेएनजी के लड़ाकों ने बड़े पैमाने पर हिंसक जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। कार्टेल के हथियारबंद गुर्गों ने सड़कों पर गाड़ियाँ जला दीं, हाईवे जाम कर दिए, दुकानों और पेट्रोल पंपों को आग के हवाले कर दिया और सुरक्षा बलों पर हमले किए। देखते ही देखते हालात जालिस्को से निकलकर कई अन्य राज्यों तक फैल गए।

एल मेंचो का असली नाम नेमेसियो रूबेन ओसेगुएरा सर्वेंटेस था। उसका जन्म 1966 में

मेक्सिको के मिचोआकान राज्य के एक गरीब गाँव में हुआ था। बेहतर जिंदगी की तलाश में वह 1980 के दशक में अमेरिका चला गया, लेकिन वहाँ अपराध की दुनिया में फँस गया। अमेरिका में वह हेरोइन तस्करी के मामलों में पकड़ा गया, जेल गया और बाद में मेक्सिको डिपोर्ट कर दिया गया। स्वदेश लौटने के बाद उसने कुछ समय तक स्थानीय पुलिस में नौकरी की, लेकिन जल्दी ही संगठित अपराध की ओर मुड़ गया। उसने मिलेनियो कार्टेल के जरिए अपनी पहचान बनाई और फिर 2009 में जालिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल की स्थापना की। कुछ ही वर्षों में सीजेएनजी मेक्सिको का सबसे ताकतवर और हिंसक ड्रग कार्टेल बन गया। यह संगठन अमेरिका और अन्य देशों में फेंटानिल, मेथामफेटामीन, कोकीन और हेरोइन की बड़े पैमाने पर तस्करी करता था। जानकारी के अनुसार एल मेंचो अपने अत्यंत क्रूर तरीकों, खुलेआम सैन्य टकराव और भारी हथियारों के इस्तेमाल के लिए कुख्यात था। अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम घोषित कर रखा था। उस पर अमेरिका में कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे और वह दुनिया के सबसे वांछित अपराधियों में शुमार था। मेक्सिको की सेना, नेशनल गार्ड और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर टपालपा में यह विशेष ऑपरेशन अंजाम दिया। खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया और एल मेंचो के ठिकाने पर छापा मारा। भीषण मुठभेड़ के दौरान एल मेंचो घायल हो गया। इस कार्रवाई में छह संदिग्ध कार्टेल सदस्य मारे गए, तीन सैनिक घायल हुए और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में हथियार भी बरामद किए, जिनमें रॉकेट लॉन्चर जैसे अत्याधुनिक हथियार शामिल थे, जो हेलीकॉप्टर गिराने और बख्तरबंद गाड़ियों को तबाह करने में सक्षम हैं।अधिकारियों ने इस ऑपरेशन को जोआक्विन 'एल चापो' गुजमान और इस्माइल जाम्बादा जैसे बड़े ड्रग लॉर्ड्स की गिरफ्तारी के बाद संगठित अपराध पर सबसे बड़ी कार्रवाई बताया। एल मेंचो की मौत के कुछ ही घंटों के भीतर पूरे क्षेत्र में अराजकता फैल गई। जालिस्को, मिचोआकान, गुआनाहुआतो, तमाउलीपास, गुएरेरो और न्यूवो लियोन जैसे राज्यों में हिंसा की खबरें सामने आईं। 20 से ज्यादा सड़कों पर जलती हुई गाड़ियाँ खड़ी कर हाईवे जाम कर दिए गए। पर्यटन केंद्र पुएर्ता वायार्ता में हालात इतने खराब हो गए कि पर्यटकों ने इसे 'युद्ध जैसे दृश्य' बताया। हवाई अड्डों पर भगदड़ के माहौल में कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करनी पड़ीं मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने देशवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि केंद्र सरकार सभी राज्यों के साथ मिलकर हालात को काबू में करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई है और जल्द ही हालात सामान्य किए जाएँगे। साथ ही उन्होंने यह भी माना कि एल मेंचो की मौत संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता है, लेकिन इसके बाद भड़की हिंसा गंभीर चिंता का विषय है।

दुनिया के कई...

राजेश श्रीवास्तव

दो टूक भारत की खामोशी बहुत भारी पड़ेगी बिन लड़े बहुत कुछ गंवा सकता है भारत

दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। विश्व भर के दस देशों में ईरान और अमेरिका व इजरायल के बीच हुए युद्ध की घमक देखी जा सकती है। दुनिया के कई देश में इसमें न चाहते हुए भी शामिल हो गये हैं। भारत ने हमेशा की तरह इस बार भी खामोशी ओढ़ रखी है। जब कई प्रमुख देश अमेरिका की खुलकर निंदा कर रहे हैं तब भारत ने वही पुराने रटे-रटाये बयान जारी किये हैं कि सभी देश नियंत्रण बरतें। युद्ध कोई रास्ता नहीं है। भारत की यह खामोशी इस बार भारत को बहुत महंगी पड़ने वाली है पहले बात करते हैं कि भारत को न चाहते हुए भी क्या-क्या गंवाना पड़ सकता है फिर अन्य पहलू पर भी बात होगी। यूएस-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग का असर भारत में भी पड़ने वाला है। इससे तेल की कीमतें बाधित हो सकती हैं। भारत का लगभग ५०% कच्चा तेल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आयात होता है, जिसपर ईरान का दबदबा है। मिडिल ईस्ट में छिड़े इस युद्ध का असर कई देशों पर पड़ने वाला है, इसमें भारत भी शामिल है। भारत-ईरान की भले ही जमीनी सीमाएं नहीं मिलती हों, लेकिन भौगोलिक रूप से वह हिदुस्तान का पड़ोसी क्षेत्र है। ऊर्ज़ा सुरक्षा लिहाज से ईरान भारत के लिए अहम माना जाता है। दरअसल, भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। वह ८०% से अधिक तेल आयात करता है. रूस के बाद वह सबसे ज्यादा क्रूड ऑयल इराक, सऊदी अरब, यूएई, कुवैत और ओमान से खरीदता है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचता है। इस एरिया पर ईरान का कब्जा है। ईरान ने अब इस रास्ते को बंद कर दिया तो भारत में तेल की कीमतों में बड़ा उछाल आ सकता है इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल का दाम बढ़ने की आशंका है। अगर 1 डॉलर की भी बढ़ोतरी हुई तो भारत ९,००० करोड़ रुपये सालाना के हिसाब से

नुकसान होगा। इससे देश का राजकोषिय घाटा ही नहीं बढ़ेगा, बल्कि रुपये की वैल्यू भी गिरेगी। तेल महंगा होने का असर अन्य चीजों पर भी पड़ेगा। जैसे माल ढुलाई महंगी हो जाएगी। फल-सब्जी और रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। जिसका बोझ सीधा आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस-इजरायल और ईरान की यह जंग अगर लंबी खिचती है तो २०26 की अंतिम तिमाही तक कच्चे तेल की कीमतें 91 डॉलर बैरल को पार कर सकती हैं। सोचिए जब भारत 67 डॉलर प्रति बैरल से भी कम कीमत अभी कच्चा तेल खरीद रहा है, तब पेट्रोल की कीमत १०० रुपये प्रति लीटर के करीब है। अगर यह १०० डॉलर प्रति बैरल हो गई तो तेल के भाव कितने होंगे। मिडिल ईस्ट के इस वॉर से तेल ही नहीं, बल्कि सोना-चांदी और कॉपर के दाम में भी उछाल आ सकता है। भारत दुनिया के देशों से भारी मात्रा में गोल्ड-सिल्वर खरीदता है। अब बात इरान की तो यह जान लीजिये कि कमजोर होकर भी ईरान बेहद खतरनाक है। लगभग पचास साल से ईरान अमेरिका के साथ जंग की आहट सुन रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियां भी कर रहा था। चूंकि वह अमेरिका की सैन्य शक्ति से सीधे मुकाबला नहीं कर सकता और इस्राइल के जंग में कूदने की स्थिति में उसके लिए राह और भी मुश्किल थी, इसलिए उसकी रणनीति अलग तरह की रही।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

पंकज जायसवाल

सनातन और धर्म : पृथ्वी की सतत व्यवस्था का दर्शन

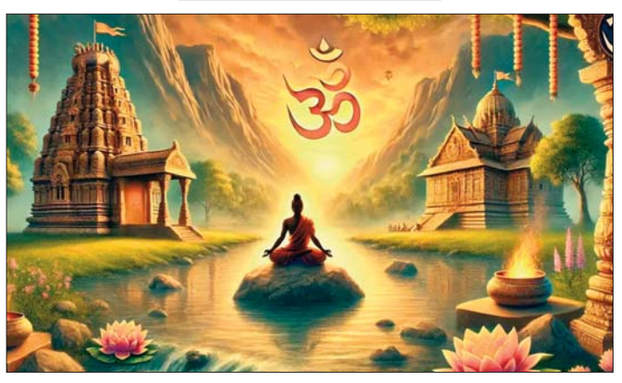

आज सर्वत्र "सनातन" की चर्चा हो रही है। यह चर्चा अब केवल भारत तक सीमित नहीं रही बल्कि वैश्विक विमर्श का हिस्सा बन चुकी है। ऐसे समय में आवश्यक है कि हम सनातन को सामुदायिक चश्मे से नहीं बल्कि दार्शनिक और व्यवस्थागत दृष्टि से समझें। सनातन क्या है? सनातन का आशय एक ऐसी व्यवस्था से है जो समय के हर पड़ाव पर चलती आ रही है, चल रही है और समय के हर पड़ाव पर चलती रहेगी। दूसरे शब्दों में इसे कह सकते हैं सनातन जो हर काल परिस्थिति और समय के पड़ाव पर स्थायी है, सत्य है. और सरल शब्दों में कह सकते हैं जो हर काल परिस्थिति और समय के पड़ाव पर टिकाऊ है, और इसी टिकाऊ को अंग्रेजी में सस्टेनेबल कहते हैं. मतलब सनातन वह जो सस्टेनेबल है या इसे ऐसे कहें सस्टेनेबिलिटी की बात करना मतलब सनातन की बात करना। गहराई में समझना है कि सनातन क्या है तो इसे और आगे समझते हैं. यदि हम शब्दकोश में जाएँ तो सनातन के अर्थ मिलते हैं चिरकालिक, सार्वकालिक, अक्षय, अनंत, अनादि, अविनाशी, शाश्वत, सतत, पुनर्चक्रीय। अंग्रेजी में इसे इटरनल कहा जाता है। जब भी मैं सनातन के अर्थ पर विचार करता हूँ, तो मुझे यही भाव मिलता है निरंतरता, सततता और पुनर्जनन की क्षमता। अब आते हैं धर्म पर कि धर्म क्या है? चूंकि सनातन की चर्चा धर्म के संदर्भ में हो रही है,

इसलिए पहले यह समझना आवश्यक है कि धर्म क्या है। धर्म की सबसे महत्वपूर्ण परिभाषा है मूल चरित्र। जैसे अग्नि का धर्म है जलना, जल का धर्म है शीतलता। तो प्रश्न है पृथ्वी का धर्म क्या है? उत्तर है सततता, सनातन। पृथ्वी अपनी प्राकृतिक व्यवस्थाओं के माध्यम से अपनी चिरकालिकता, सार्वकालिकता, नश्वरता,अक्षयपन, अनंत , अनादि, अविनाशी, शाश्वत चरित्र, सततता, पुनर्चक्रीयता और संतुलन बनाए रखती है। जन्म और विनाश का चक्र, ऋतुओं का परिवर्तन, जलचक्र, जैविक पुनर्जनन ये सभी पृथ्वी की सनातन व्यवस्था के उदाहरण हैं। इसलिए मेरा मानना है कि पृथ्वी का मूल धर्म सनातन है अर्थात् वह व्यवस्था जो स्वयं को पुनर्चक्रीय संतुलन में बनाए रखती हुए पृथ्वी की और इस पर फल फूल रहे जीवन चक्र की सततता बनाये रखती है। अब समझते हैं धर्म और समुदाय और धर्म के बीच का अंतर। आज जिस "धर्म" की चर्चा लोकप्रचलित रूप में होती है, वह अक्सर समुदाय आधारित पहचान के रूप में समझा जाता है परंतु समुदाय धर्म नहीं है. वह एक पंथ है, एक जीवन-पद्धति है, जो अपने समूह की सततता बनाए रखने का प्रयास करती है। जो भी समुदाय अपनी जीवन-व्यवस्था को पृथ्वी के मूल चरित्र अर्थात् पुनर्चक्रीय संतुलन के अनुरूप ढालता है, वह टिकता है। जो पृथ्वी की मूल व्यवस्था से असंगत हो जाता है, वह इतिहास में क्षीण हो जाता है। या यूँ कहें कि जिसकी और जिसके समूह की प्रकृति या चरित्र पृथ्वी के मूल चरित्र ₹सनातन₹ की धुन और संगीत से संगत होगा, वह लंबा चलेगा नहीं तो वह बीच रास्ते में दम तोड़ देगा. इस दृष्टि से देखें तो सनातन किसी एक समुदाय का निजी अधिकार नहीं है; यह पृथ्वी की व्यवस्था का नाम है। यदि कोई कहता है कि भारत का राष्ट्रीय धर्म सनातन है तो इसे सांप्रदायिक अर्थ में नहीं बल्कि इस दार्शनिक अर्थ में समझना चाहिए। विस्तार से कहें तो केवल भारत ही नहीं, पूरी पृथ्वी का मूल धर्म सनातन है क्योंकि पृथ्वी स्वयं पुनर्चक्रीय और सतत व्यवस्था पर आधारित है। इसलिए जो भी धर्म, पंथ या सामाजिक व्यवस्था सततता बनाए रखती है, पुनर्चक्रीय संतुलन का पालन करती है, प्रकृति के साथ सामंजस्य रखती है, वह उस सीमा तक सनातन है। "हिन्दू" शब्द का दार्शनिक संदर्भ समझें तो आज जिसे "हिन्दू" कहा जाता है, वह मूलतः भौगोलिक पहचान थी सिंधु नदी के इस पार रहने वाले लोग। कालांतर में इसे सामुदायिक पहचान तक सीमित कर दिया गया। यदि भौगोलिक दृष्टि से देखें तो सिंधु के इस पार रहने वाले सभी लोग चाहे वे मुस्लिम हों, सिख हों, ईसाई हों, बौद्ध हों या जैन उसी सांस्कृतिक भूभाग के उत्तराधिकारी हैं अतः ये सब इस हिसाब से हिन्दू ही हैं। इसलिए सनातन को धार्मिक परिभाषा में सीमित करना उसकी व्यापकता को कम करना है। सनातन का मूल तत्व है पुनर्चक्रीकरण। प्रकृति से लेना और उसे पुनः लौटाना। संतुलन बनाए रखना। आज विश्व जिस अवधारणा को "सर्कुलर इकॉनमी" कहता है, वह सनातन के सिद्धांत से अलग नहीं है। प्रकृति के प्रति आदर, संसाधनों का संतुलित उपयोग, और पुनर्जनन यही सनातन का आर्थिक स्वरूप है। पश्चिम का जागरण और एसडीजी की बात करें तो आज संयुक्त राष्ट्र ने जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं उन्हें कहा गया है सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल । इसे दुसरे शब्दों में कहें तो सस्टेनेबल अर्थात् टिकाऊ और टिकाऊ अर्थात् सनातन। मतलब संयुक्त राष्ट्र ने भी इतना घूमने के बाद जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं वह लक्ष्य सनातन ही है. COP (कांफ्रेंस ऑफ़ पार्टीज) जैसे वैश्विक सम्मेलन जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन पर विचार करने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। जिस प्रकृति को भारत की धरती ने हजारों वर्षों से ईश्वर का स्वरूप मानकर संरक्षित किया, वही सिद्धांत आज वैश्विक नीति-निर्माण का आधार बन रहा है। जिसे हमने धर्म का रूप दिया था, उसे आज विज्ञान और नीति की भाषा में सस्टेनेबल डेवलपमेंट कहा जा रहा है। इन सबका लब्बोलुबाब यही है कि सनातन किसी धार्मिक पहचान का नाम नहीं है। सनातन वह व्यवस्था है जो सततता की बात करती है, जो पुनर्चक्रीय है, जो प्रकृति-संगत है, जो पृथ्वी-संगत है, जो संतुलित है और समय की हर परीक्षा में टिकाऊ है। यदि हम सनातन को पृथ्वी के धर्म के रूप में समझें तो यह विभाजन का नहीं, समन्वय का दर्शन बन जाता है।

भारत बहु-स्रोत रक्षा खरीद नीति जारी रखेगा, स्वदेशी उत्पादन को मिलेगा और बढ़ावा

अमेरिका समझौते से रूस रक्षा सहयोग पर असर नहीं: राजेश

जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका के साथ हुए अंतरिम व्यापार समझौते का भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत अपनी सामरिक और परिचालन जरूरतों के आधार पर रूस सहित अन्य देशों से रक्षा उपकरणों की खरीद जारी रखेगा और साथ ही स्वदेशी रक्षा उत्पादन को और मजबूत करने पर विशेष जोर देगा। एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान रक्षा सचिव ने कहा कि भारत की रक्षा खरीद नीति पूरी तरह संतुलित और व्यावहारिक है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता आर्थिक सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है और इसका भारत-रूस रक्षा संबंधों से कोई टकराव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों को आधुनिक और सक्षम बनाना है। बातचीत के दौरान रक्षा सचिव ने कहा कि भारत की रक्षा खरीद नीति पूरी तरह संतुलित और व्यावहारिक है।

रूस से रक्षा खरीद जारी रहेगी

रक्षा सचिव ने कहा कि भारत लंबे समय से रूस के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी बनाए हुए है और यह सहयोग भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपनी सैन्य जरूरतों के अनुसार रूस से हथियार और रक्षा उपकरण खरीदता रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत किसी एक देश पर निर्भर रहने के बजाय बहु-स्रोत नीति अपनाता है। जरूरत पड़ने पर भारत फ्रांस, अमेरिका और अन्य देशों से भी रक्षा उपकरण खरीद सकता है। उन्होंने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों को आधुनिक और सक्षम बनाना है। एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान रक्षा सचिव ने कहा कि भारत की रक्षा खरीद नीति पूरी तरह संतुलित और व्यावहारिक है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता आर्थिक सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है।

आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन पर सरकार का विशेष जोर

राजेश कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्वदेशी रक्षा उत्पादन को और अधिक बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे आयात पर निर्भरता कम हो सके। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रक्षा निर्माण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें घरेलू रक्षा कंपनियों को प्रोत्साहन देना, नई तकनीकों का विकास और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाना शामिल है। सरकार का लक्ष्य है कि भारत रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर बने और वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा उत्पादक के रूप में उभरे। उन्होंने कहा कि भारत का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है और इसके लिए देश सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा। साथ ही, स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देकर भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से आर्थिक सहयोग मजबूत होगा

भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के तहत दोनों देशों ने कई क्षेत्रों में शुल्क बाधाओं को कम करने पर सहमति जताई है। इस समझौते के तहत भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से ऊर्जा, विमानन, प्रौद्योगिकी और कोकिंग कोयले सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 500 अरब डॉलर तक की खरीद की मंशा जताई है। वहीं, अमेरिका ने भारत के कृषि उत्पादों जैसे मसाले, चाय, कॉफी, आम, अंगूर और काजू को अपने बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच देने पर सहमति दी है। इससे भारतीय किसानों और कृषि निर्यातकों को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है।

फास्ट न्यूज

खामेनेई की मौत पर 'सेक्रेड गेम्स' एक्ट्रेस ने खुशी जताई

मुंबई। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत की खबर पर वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस एलनाज नौरोजी ने खुशी जताई है। खामेनेई की मौत की खबर को लेकर ईरानी मूल की एक्ट्रेस एलनाज नौरोजी ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर लिखा, "47 साल से जिस खबर का इंतजार कर रहे थे।

डायरेक्टर ने बताया सैफ को 'बेखुदी' से निकालने की वजह

मुंबई। साल 1992 में सैफ अली खान बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले थे। उनकी पहली फिल्म 'बेखुदी' थी, जिसमें उन्होंने काजोल के साथ काम करने का मौका पाया था। उस समय यह प्रोजेक्ट बॉलीवुत में काफी चर्चित था और सैफ के करियर के लिए बड़ा कदम माना जा रहा था। हालांकि, बाद में वह 'बेखुदी' का हिस्सा नहीं बने और उन्होंने अभिनेता के रूप में फिल्म 'परंपरा' (1993) से शुरुआत की। जिसका निर्देशन यश चोपड़ा ने किया था सैफ खुद पहले कई इंटरव्यू में यह दावा कर चुके हैं कि उन्हें बेखुदी से इसलिए हटाया गया था क्योंकि डायरेक्टर ने उनसे कहा था कि उन्हें अपनी प्रेमिका से ब्रेक-अप कर देना चाहिए, वरना फिल्म छोड़नी पड़ेगी। इस शर्त के कारण उन्होंने शूटिंग छोड़ दी थी, ऐसा सैफ का मानना रहा है।

यूएस-ईरान तनाव के बीच अबू धाबी में हैं ईशा गुप्ता

नई दिल्ली। 'जन्नत' 2 फेम और एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने रविवार को बताया कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर मिसाइल हमलों के बाद बढ़े US-ईरान संघर्ष के बीच वह इस समय संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के अबू धाबी में सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय डरावना है और उन्होंने उम्मीद जताई कि वह जल्द ही भारत लौटेंगी। ईशा ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "जो भी लोग हालचाल पूछ रहे हैं और मैसेज कर रहे हैं।

मेरे पास ₹1200 करोड़ का काम है : राजपाल यादव

शिकायतकर्ता ने प्रॉपर्टी पेपर्स और सिक्योरिटी रकम ठुकरा दी

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर कॉमिक एक्टर राजपाल यादव ने मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक बड़ा दावा किया है। एक्टर ने कहा है कि उनके पास भविष्य में 1200 करोड़ के काम और 10 फिल्मों के प्रोजेक्ट हैं। बावजूद इसके, एक पुराने चेक बाउंस मामले ने उन्हें कानूनी मुश्किलों और जेल जैसी स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। उनका कहना है कि शिकायतकर्ता ने उनके द्वारा पेश किए गए प्रॉपर्टी पेपर्स और सिक्योरिटी रकम को अदालत में स्वीकार नहीं किया और सिर्फ यह चाहता था कि राजपाल जेल जाएं। राजपाल यादव ने साल 2010 में अपनी फिल्म 'अता पता लापता' को प्रोड्यूस करने के लिए एक कंपनी से लगभग 5 करोड़ लिए थे। इस रकम पर ब्याज लगाया गया, जिससे रिटर्निंग अमाउंट 10.40 करोड़ रुपये हो गया था। निर्देशक के रूप में ये उनका डेब्यू प्रोजेक्ट था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही और राजपाल को भुगतान करना मुश्किल हो गया। इसके बाद वे कई पोस्ट डेटेड चेक देने लगे, जो बैंक में बाउंस हो गए। इस वजह से शिकायतकर्ता ने चेक बाउंस के तहत मामला दर्ज करवाया और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। राजपाल यादव के वकील उपाध्याय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आरोप लगाने वाले ने पहले कहा कि वे सिक्योरिटी मनी और प्रॉपर्टी पेपर्स स्वीकार करेंगे और मामला सुलझ जाएगा। लेकिन जब दस्तावेज पेश किए गए, तो उन्होंने उन्हें लेने से इनकार कर दिया और सिर्फ राजपाल को जेल भेजने पर जोर दिया। का आरोप है।

ईरान के हमलों के बीच दुबई में फंसीं सोनल

सुरक्षित भारत लौटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगी, कहा- लौटने का कोई तरीका नहीं है

- ईरान-इजराइल जंग के बीच दुबई के बुर्ज खलीफा को खाली कराया गया है। पूरी बिल्डिंग की लाइट्स भी बंद कर दी गई हैं।

दुबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण दुबई में फंसी हुई हैं। क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम के चलते कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे अभिनेत्री भारत लौटने में असमर्थ हैं। इस बीच सोनल चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सुरक्षित वतन वापसी के लिए मदद की अपील की है। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने के बाद कई देशों ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं प्रभावित हुई हैं। इसके चलते दुबई सहित कई प्रमुख एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। एयर इंडिया और इंडिगो सहित प्रमुख विमानन कंपनियों ने बयान जारी कर कहा है कि वे विमानन प्राधिकरणों के साथ लगातार संपर्क में हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। एयरलाइंस ने यात्रियों से आधिकारिक वेबसाइट और सूचना चैनलों के माध्यम से नियमित अपडेट लेते रहने की अपील की है। सुरक्षित उड़ान मार्ग उपलब्ध होने के बाद ही सेवाएं दोबारा शुरू की जाएंगी। मौजूदा हालात को देखते हुए दुबई में फंसे भारतीय नागरिकों को भारत सरकार और भारतीय दूतावास से सहायता मिलने की उम्मीद है।

दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे यात्री

अभिनेत्री इस समय दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मौजूद हैं, जहां बड़ी संख्या में यात्री उड़ानें रद्द होने के कारण फंसे हुए हैं। एयरपोर्ट टर्मिनल पर भारी भीड़ और यात्रियों में चिंता का माहौल देखा जा रहा है। यात्री लगातार एयरलाइंस और प्रशासन की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

एयरलाइंस ने जारी की एडवाइजरी

एयर इंडिया और इंडिगो सहित प्रमुख विमानन कंपनियों ने बयान जारी कर कहा है कि वे विमानन प्राधिकरणों के साथ लगातार संपर्क में हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। एयरलाइंस ने यात्रियों से आधिकारिक वेबसाइट और सूचना चैनलों के माध्यम से नियमित अपडेट लेते रहने की अपील की है। सुरक्षित उड़ान मार्ग उपलब्ध होने के बाद ही सेवाएं दोबारा शुरू की जाएंगी। मौजूदा हालात को देखते हुए दुबई में फंसे भारतीय नागरिकों को भारत सरकार और भारतीय दूतावास से सहायता मिलने की उम्मीद है।

'जन्नत' फिल्म से पहचान बनाने वाली सोनल चौहान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक संदेश साझा करते हुए बताया कि वह दुबई में फंसी हुई हैं और मौजूदा संकट के बीच खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से मार्गदर्शन और सहयोग की अपेक्षा जताते हुए लिखा कि उड़ानें रद्द होने के कारण भारत लौटने का कोई स्पष्ट के लिए सरकार की सहायता की उम्मीद कर रही हैं।

गोलकीपर सविता पूनिया ने नाम वापस लिया, मिडफील्डर सलीमा टेटे कप्तानी करेंगे

वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित

66 सविता पूनिया की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी मिडफील्डर सलीमा टेटे को दी गई है। सलीमा लंबे समय से भारतीय टीम का अहम हिस्सा रही हैं।

घोषणा

नई दिल्ली एजेंसी

हॉकी इंडिया ने एफआईएच विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। रविवार को घोषित 20 सदस्यीय टीम की कमान युवा मिडफील्डर सलीमा टेटे को सौंपी गई है। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि टीम की अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। भारतीय टीम के लिए यह क्वालिफायर टूर्नामेंट बेहद अहम माना जा रहा है।

हैदराबाद में आयोजित होंगे क्वालिफायर मुकाबले

एफआईएच विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर मुकाबले 8 से 14 मार्च के बीच हैदराबाद में आयोजित किए जाएंगे। घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा भारतीय टीम को मिल सकता है। हैदराबाद में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट से भारतीय खिलाड़ियों को घरेलू दर्शकों का समर्थन मिलेगा, जो टीम के मनोबल को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने टीम की तैयारियों पर संतोष जताया है और खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले कुछ हफ्तों में फिटनेस, रणनीति और मैच स्थितियों पर गहन अभ्यास किया है।

पारिवारिक कारणों से टूर्नामेंट से बाहर हुईं सविता पूनिया

भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने पारिवारिक कारणों से इस टूर्नामेंट से ब्रेक लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सविता अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहती हैं और इसी वजह से उन्होंने चयन प्रक्रिया से पहले ही खुद को उपलब्ध नहीं कराया।

हीली आखिरी वनडे में शतक लगाने वाली दूसरी महिला क्रिकेटर

भारत के खिलाफ 158 रन बनाए, ऑस्ट्रेलिया ने 410 रन का टारगेट दिया

नई दिल्ली एजेंसी

टीम इंडिया ने खेल शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली को उनके अंतिम वनडे मैच पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने आज भारत के खिलाफ अपने करियर का आखिरी वनडे खेला। उन्होंने इस मुकाबले में 98 बॉल पर 158 रन बनाए। हीली दूसरी ही महिला क्रिकेटर हैं जिन्होंने आखिरी ODI मुकाबले में शतक बनाया है। उनसे पहले ऐसा साउथ अफ्रीका का जोहमारी लॉटेगबर्ग ने 2007 में किया था। उन्होंने नीदरलैंड्स के सामने शतक लगाया था। होबार्ट में खेले जा रहे तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 409 रन बनाए। ऐसे में भारत के जीत के लिए 410 रन का टारगेट मिला है। हीली जनवरी में ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर चुकी है। उन्होंने भारत के खिलाफ तीसरे मुकाबले में ओपनिंग की और वनडे में आठवीं बार शतक लगाया। हीली ने 98 गेंद में 27 चौके और दो छक्के की मदद से 158 रन बनाए।

कार्य: 5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 11 दिन बैंक बंद रहेंगे

इस महीने 18 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

मार्च 2026 में बैंकिंग से जुड़े काम करने वाले लोगों के लिए यह महीना छुट्टियों से भरा रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा जारी आधिकारिक अवकाश कैलेंडर के अनुसार, इस महीने देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 18 दिन बैंक बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार के अलावा विभिन्न क्षेत्रीय और राष्ट्रीय त्योहार शामिल हैं। बैंकों की अधिक संख्या में छुट्टियां होने के कारण ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे अपने जरूरी बैंकिंग कार्य पहले से ही निपटा लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मार्च 2026 में कुल पांच रविवार पड़ रहे हैं, जिनमें देशभर के सभी बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा दूसरे और चौथे शनिवार को भी बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी, क्योंकि यह आरबीआई के नियमों के अनुसार निर्धारित साप्ताहिक अवकाश होता है। इन नियमित छुट्टियों के साथ-साथ अलग-अलग राज्यों में स्थानीय त्योहारों और विशेष अवसरों के कारण अतिरिक्त अवकाश भी घोषित किए गए हैं। मार्च महीने में घोषित 11 अतिरिक्त छुट्टियां पूरे देश में एक साथ लागू नहीं होंगी, बल्कि ये अलग-अलग राज्यों के स्थानीय त्योहारों और विशेष अवसरों के अनुसार होंगी। इसका मतलब है कि किसी राज्य में बैंक बंद रहने पर दूसरे राज्य में बैंक खुले रह सकते हैं। इसलिए ग्राहकों को अपने राज्य या शहर के अनुसार बैंक अवकाश की जानकारी जरूर जांच लेनी चाहिए। ताकि उन्हें बैंकिंग सेवाओं में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैंकों की छुट्टियों के बावजूद ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि डिजिटल बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहेंगी।

3 मार्च को अधिकांश राज्यों में बंद रहेंगे बैंक

मार्च महीने की शुरुआत में ही 3 मार्च को देश के कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। इस दिन होली के त्योहार के कारण विभिन्न क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। होली उत्तर भारत सहित देश के कई हिस्सों में प्रमुख त्योहार के रूप में मनाई जाती है, जिसके चलते बैंक और अन्य सरकारी कार्यालय बंद रहते हैं। ऐसे में ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे नकदी निकासी, चेक क्लियरेंस या अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य पहले से पूरा कर लें।

शेयर बाजार भी 12 दिन रहेगा बंद

मार्च 2026 में बैंकिंग क्षेत्र के साथ-साथ शेयर बाजार में भी कई दिनों तक कारोबार नहीं होगा। इस महीने कुल 12 दिन शेयर बाजार बंद रहेगा। इनमें शनिवार और रविवार के 9 साप्ताहिक अवकाश शामिल हैं। इसके अलावा प्रमुख त्योहारों के कारण भी शेयर बाजार बंद रहेगा।

जरूरी काम पहले निपटाने की सलाह

बैंक अधिकारियों और वित्तीय विशेषज्ञों ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे मार्च महीने में बैंकिंग छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए अपने जरूरी वित्तीय कार्य पहले ही पूरा कर लें। विशेष रूप से चेक जमा करना, नकदी निकासी, ड्राफ्ट बनवाना या अन्य जरूरी कार्यों को समय रहते निपटाना बेहतर रहेगा। डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के कारण अब ग्राहकों के पास कई विकल्प उपलब्ध हैं, जिससे बैंक बंद होने के बावजूद उनके अधिकांश कार्य आसानी से पूरे किए जा सकते हैं। मार्च महीने में अधिक संख्या में बैंक छुट्टियों के चलते ग्राहकों को अपनी बैंकिंग योजनाओं को पहले से व्यवस्थित करने की जरूरत होगी। , ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। ग्राहक इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और ATM के माध्यम से पैसे ट्रांसफर, बैलेंस चेक, बिल भुगतान और अन्य आवश्यक कार्य आसानी से कर सकेंगे।

पेट्रोल-डीजल 10-12 रुपए तक महंगे हो सकते हैं

नई दिल्ली। अमेरिका और इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। जंग लंबी चली और तेल मार्ग 'होर्मुज स्ट्रेट' बंद हुआ तो कच्चे तेल के दाम बढ़ सकते हैं। इसका असर भारत के तेल, शेयर बाजार और सोना-चांदी पर दिख सकता है। दिल्ली में पेट्रोल 95 लीटर से बढ़कर 105 तक पहुंच सकता है। वहीं डीजल 88 से बढ़कर 96 तक जा सकता है। इसकी वजह ये है कि भारत अपनी जरूरत का 90% तेल आयात करता है। इसमें से करीब 50% क्रूड होर्मुज के रास्ते आता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर ईरान इस रास्ते को ब्लॉक करता है, तो इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई घट जाएगी और कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास ट्रेड कर रहा है। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोना 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1.90 लाख रुपए तक जा सकता है।

अमेरिकी रक्षा विभाग के नेटवर्क पर ओपन-एआई का इस्तेमाल होगा

सैम ऑल्टमैन और पेंटागन में समझौता, एंथ्रोपिक को बैन कर ट्रंप सरकार ने दी जगह

नई दिल्ली, एजेंसी

सैम ऑल्टमैन की कंपनी ओपन-एआई (OpenAI) और अमेरिकी रक्षा विभाग (DoW) के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। इसके तहत ओपन-एआई अपने कुछ मॉडल्स को पेंटागन के क्लासिफाइड (गोपनीय) नेटवर्क पर तैनात करेगा। ओपन-एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी जानकारी दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओपन-एआई की प्रतिद्वंद्वी कंपनी 'एंथ्रोपिक' (Anthropic) की टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाने का आदेश दिया है। बता दें कि अमेरिकी सेना चाहती है कि युद्ध और निगरानी के लिए उसे एआई का बिना किसी रोक-टोक के एक्सेस मिले, जिसे एंथ्रोपिक ने अपनी पॉलिसी के खिलाफ बताया था। इसी के चलते सरकार ने ये कदम उठाया है। सैम ऑल्टमैन ने बताया कि रक्षा विभाग के साथ हुए इस समझौते में सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा गया है। उन्होंने कहा कि पेंटागन ने एआई सेफ्टी के प्रति सम्मान दिखाया है। हमारे बीच हुए एग्रीमेंट में दो मुख्य बातें शामिल हैं पहली, घरेलू स्तर पर मास सर्विलांस (सामूहिक निगरानी) पर रोक होगी और दूसरी, स्वायत्त हथियार प्रणालियों (अटोनोमस वेपन्स) सहित बल के प्रयोग की जिम्मेदारी इंसानों के हाथ में ही रहेगी। ऑल्टमैन के मुताबिक, रक्षा विभाग इन सिद्धांतों पर सहमत है और इन्हें कानून व नीतियों में भी जगह दी गई है। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने साफ किया कि उनकी कंपनी एआई के कुछ खास इस्तेमाल, जैसे मास सर्विलांस और पूरी तरह से ऑटोमैटिक हथियारों का समर्थन नहीं करेगी।

यूपी में हाई अलर्ट, खामेनेई की मौत पर प्रदर्शन

शिया महिलाएं रोईं, बोलीं- शेर था, एक मरेगा, हजार आएंगे, खाड़ी देशों की फ्लाइट कैंसिल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद यूपी में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इस बीच पुलिस ने पूरे यूपी में हाई अलर्ट जारी किया है। सीएम योगी ने भी रविवार सुबह मीटिंग में अफसरों से एहतियात बरतने को कहा। डीजीपी राजीव कृष्ण ने संवाददाता को बताया कि उन जिलों में सतर्कता बढ़ाई गई है, जहां शिया समुदाय की आबादी अधिक है। इनमें लखनऊ, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, मुजफ्फरनगर और मेरठ शामिल हैं। पुलिस को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। लखनऊ में शिया समुदाय के हजारों लोग सड़क पर उतर आए हैं। महिलाएं और पुरुष रो रहे हैं, मातम कर रहे हैं। प्रदर्शकारी ने खामेनेई जिंदाबाद और अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। यहां भारी पुलिस फोर्स तैनात

किया गया है। लखनऊ से आज सऊदी अरब जाने वाली सभी फ्लाइटें रद्द कर दी गई हैं। दुबई और रियाद की 2-2 फ्लाइटें, जबकि मस्कट, अबू धाबी, दम्माम और शारजाह की 1-1 फ्लाइट कैंसिल की गई है। वहीं, वाराणसी एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली 2 फ्लाइटें भी 4 मार्च तक के लिए रद्द कर दी गई हैं। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका। इसके बाद कुछ लोग मस्जिद से बाहर निकलकर प्रदर्शन करने लगे। मौके पर तैनात पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद भीड़ को आगे

> *एक महिला ने चिल्लाते हुए कहा जिनकी नस्लों में धोखा और गद्दारी है। उन्होंने खामेनेई को धोखे में मारा। खामेनेई मेरा शेर था, कयामत तक रहेगा। एक मरेगा, हजार खामेनेई आएंगे। लानत है अमेरिका और इजराइल पर। इनकी नस्लें गद्दार-धोखेबाज हैं। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से तीन दिवसीय शोक की घोषणा कर दी गई है। बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा- लोग अपने घरों पर काले झंडे लगाएंगे और काले कपड़े पहनेंगे। अयातुल्ला खामेनेई के नाम पर रेजाना मजलिस (शोकसभा) का आयोजन किया जाएगा।*

यति नरसिंहानंद ने खामनेई के खात्मे की सराहना की

गाजियाबाद के डासना स्थित शिव शक्ति धाम के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद ने कहा- खामेनेई जैसे मानवता के शत्रु को मारकर बड़ी सेवा की गई है। इस कारण वे संपूर्ण मानवता के महानायक बन गए हैं। भारत की हर मस्जिद में खामनेई बैठा है, लेकिन हमारा दुर्भाग्य है कि हमारे पास कोई नेतन्याहू नहीं है। उन्होंने भारत के नेताओं से अनुरोध किया कि वे इजराइल जाकर अपने लोगों की रक्षा का प्रशिक्षण लें।

बढ़ने से रोका और मस्जिद का मुख्य गेट बंद कराया। लखनऊ में प्रदर्शन कर रहीं रिहाना ने कहा- जब रहबर खामेनेई की मौत की खबर सुनी तो ऐसा लगा हम खुद ही मर गए। हम यहां जमा हुए हैं। उनके लिए मजलिस कर रहे हैं ताकि उनकी रूह को सुकून मिल सके।

लखीमपुर में ट्रम्प के खिलाफ नारेबाजी

लखीमपुर खीरी के शिया वक्फ इमामबाड़ा परिसर में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खेमनाई की मौत पर नमाज-ए-जुहर के बाद शोक सभा आयोजित की गई। सभा के बाद इमामबाड़ा परिसर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी किया गया।

होली पर की जाएगी पानी टैंकर की व्यवस्था

दोपहर में भी फुल प्रेशर में सप्लाई, जरूरत पर टोल फ्री नंबर पर करें फोन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में होली पर्व को देखते हुए नगर निगम लखनऊ के जलकल विभाग ने शहर में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। 4 मार्च को होली के दिन शहर के सभी क्षेत्रों में पानी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्लान तैयार कर लिया गया है। जीएम जलकल कुलदीप सिंह ने बताया कि नगर निगम के तीनों जलकल प्लांट, सभी ओवरहेड टैंक और शहर के सभी नलकूप पूरी तरह से चालू रहेंगे। होली के दिन सभी जोनों में सुबह 5 बजे से 9 बजे तक नलकूपों से सीधे जलापूर्ति की जाएगी, ताकि लोगों को सुबह के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो। सभी ओवरहेड टैंकों से दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक तेज प्रेशर के साथ पानी की सप्लाई दी जाएगी। वहीं, ऐशबाग जलकल, बालागंज जलकल और तृतीय जलकल कठौता से भी निर्धारित समय के अनुसार जलापूर्ति की जाएगी। इन केंद्रों से

सुबह 5 बजे से 9 बजे तक, दोपहर 12 बजे से शाम 3 बजे तक, शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक पानी उपलब्ध कराया जाएगा। जलकल विभाग ने बताया कि जिन स्थानों पर हर वर्ष होली के अवसर पर पेयजल टैंकर लगाए जाते हैं, वहां इस बार भी टैंकरों की व्यवस्था की जाएगी, जिससे जरूरत वाले क्षेत्रों में पानी की कमी न होने पाए। होली के दौरान पानी या सीवर से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए सभी जोनों के अभियंताओं के मोबाइल फोन 24 घंटे सक्रिय रहेंगे।

फास्ट न्यूज़

कलर फॉग-सतरंगी पटाखे की बढ़ी मांग

लखनऊ। लखनऊ में होली जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, बाजार में रौनक भी बढ़ती जा रही है। इस बार बच्चों की पहली पसंद 'कलर फॉग', 'होली पॉप-अप' और सात रंग छोड़ने वाले पटाखे हैं। जिसे खरीद कर बच्चे खुद को सुपरमैन से कम नहीं समझ रहे। बड़ों में भगवा रंग का क्रेज है। सबसे अधिक अरारोट से बने रंग पसंद किए जा रहे हैं। दुकानदारों का कहना है।

होलिका दहन के लिए लखनऊ नगर निगम बेच रहा लट्ठे

लखनऊ। होली के मौके पर नगर निगम लखनऊ की तरफ से होलिका दहन के लिए देसी गाय के गोबर से लट्ठे तैयार किए गए हैं। नगर निगम इसकी ऑनलाइन शॉपिंग करने के साथ में ऑफलाइन तरीके से भी इसे बेच रहा है। अगर कोई 200 से ज्यादा लट्ठे खरीदता है तो उसके लिए फ्री में होम डिलीवरी की जाएगी। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के अनुसार देसी गाय के गोबर से बने लट्ठों के दहन से वातावरण शुद्ध-पवित्र होता है। प्रदूषण में कमी आती है। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार गोबर से किया गया होलिका दहन सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। पर्यावरण को नुकसान भी कम पहुंचाता है। लोग देसी गाय के गोबर से तैयार लट्ठे मात्र 5 रुपए प्रति लट्ठे की दर से खरीद सकते हैं। 200 रुपए से अधिक खरीद पर निशुल्क होम डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

भाई की बारात में मूक-बधिर नाबालिग से गैंगरेप

लखीमपुर-खीरी। यूपी के लखीमपुर-खीरी में अपने फुफेरे भाई की बारात में आई मूक-बधिर नाबालिग के साथ गांव के ही दो युवकों ने गैंगरेप किया। आरोपी उसे बहला-फुसलाकर बारात से करीब 50 मीटर दूर गन्ने के खेत में ले गए। फिर बारी-बारी से रेप किया। इस दौरान दावत में आई एक अन्य लड़की शौच के लिए खेत की तरफ गई तो उसने आरोपियों को दरिंदगी करते देखा। लड़की ने शोर मचाया तो ग्रामीण मदद को दौड़े।

युद्ध के बीच फंसे यूपी के हजारों लोग

बंकर में छिपकर जान बचा रहे, बोले- लगातार धमाके हो रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

सिद्धार्थनगर। इजराइल–ईरान के बीच जारी जंग का असर यूपी के लोगों पर भी पड़ रहा है। खाड़ी देशों में काम करने या घूमने गए हजारों लोग वहां फंसे हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय फ्लाइटें कैंसिल कर दी गई हैं। लोग वतन वापसी की राह देख रहे हैं। अमरोहा से रालोद नेता प्रवीण पोनिया अपने परिवार के साथ ओमान में फंसे हुए हैं। उधर, इजराइल में फंसे सिद्धार्थनगर के शिवा ने परिवार को एक वीडियो भेजा है। वीडियो में वह बता रहे हैं कि वे कई देशों के लोगों के साथ एक बंकर में रह रहे हैं, जिनमें 12 भारतीय शामिल हैं। लगातार सायरन बज रहे हैं। सायरन सुनते ही सभी को बंकर में भागना पड़ता है। हर धमाके के साथ दिल की धड़कन तेज हो जाती है। अब भगवान राम ही बचाएं। हाथरस के तीन लोग दुबई में फंसे हुए हैं। उनके

परिजन चिंतित हैं। बाराबंकी के 9 लोग ईरान के कुम में फंसे हैं। परिजन सरकार से जल्द सुरक्षित वापसी की मांग कर रहे हैं। जौनपुर के रहने वाले विकास यादव तेल अवीव के पास लोद शहर में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर इलेक्ट्रिशियन का काम करते हैं। इजराइल और अमेरिका संयुक्त रूप से ईरान पर बमबारी कर रहे हैं। इन हमलों के बीच झांसी का एक परिवार ईरान में फंस गया है।

बिरयानी की दुकान 4 दिन से बंद थी, उसी के फ्रीजर में रखी थी डेडबॉडी

फ्रीजर में मिला युवक का शव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र में वेज बिरयानी की दुकान में रखे फ्रीजर में 35 साल के युवक का शव मिला। दुकानदार के पिता की मौत के बाद दुकान 4 दिन से बंद थी। दुकानदार रविवार सुबह जब दुकान खोलने पहुंचा तो वह फ्रीजर में शव देखकर सन्न रह गया। घटना जीसीआरजी कॉलेज के सामने की है। यहां शनि रावत की वेज बिरयानी की दुकान के फ्रीजर में रखा है। उसी में युवक का शव मिला। शनि जब अपनी दुकान में रविवार की सुबह पहुंचा तो फ्रीजर में शव देखा। उसने शव देखते ही शोर मचाया तो आसपास भीड़ लग गई। उसके पिता ढलई की मौत हो चुकी है। विजय का 5 साल पहले पत्नी से अलगाव हो गया था। वह अकेले ही मेहनत-मजदूरी करके जीवनयापन कर रहा था। परिजनों के अनुसार, शनिवार को घर के पास दिखाई दिया था। उसके बाद पुलिस

से मौत की सूचना मिली। जानकारी के बाद जांच करने पहुंचे पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस वहां फ्रिजर पर क्राइम सीन की पट्टी लगाकर छोड़कर चली गई। इसके बाद वहां पहुंचने वाले लोग लगातार क्राइम सीन पर फ्रीजर और तमाम चीजों को छूकर देखते रहे। लोगों का कहना है कि यह पुलिस की लापरवाही है। जिसका कोई नहीं, उसके लिए पुलिस क्यों जांच करेगी।

फ्रीजर खुला रहता था

जीसीआरजी कॉलेज के सामने टेंपरेरी दुकान है, जो पन्नी और तिरपाल से बंद करके रखी जाती है। दुकान मालिक के पिता के निधन हो जाने की वजह से खुली नहीं थी। अंदर जो फ्रीजर रखा है वह भी खराब स्थिति में है। उसका इस्तेमाल सामान स्टोर करने के लिए दुकानदार करता था। इसकी वजह से उसमें ताला नहीं लगाता था।

> **मौजूद लोगों ने पुलिस बुला ली। पुलिस ने पहुंचकर शव को फ्रीजर से बाहर निकाला। उसके बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शव के पास फोन और आधार कार्ड मिला है। उससे मृतक की पहचान विजय पाल (35) निवासी किशनपुर मजरा मदारीपुर इंदौरा बाग थाना बीकेटी के रूप में हुई।**

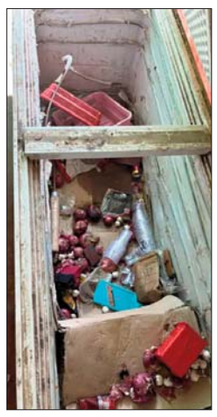

वाई-फाई लगाने का काम करता था मृतक

मृतक विजय के चचेरे भाई भानू ने बताया- वह पहले वाई-फाई का काम करते थे। इसके अलावा दिल्ली जाकर भी यही सब काम करते थे। लंबे समय से बीकेटी में ही रह रहे थे। उनका पत्नी से अलगाव हो चुका है। एक बेटी भी है जो पत्नी के साथ रहती है।

बाप के हत्यारोपी बेटे के खिलाफ बेटी बनेगी सरकारी गवाह

लखनऊ। लखनऊ में पैथालॉजी मालिक मानवेंद्र प्रताप सिंह की हत्या के मामले में आशियाना पुलिस मृतक की बेटी कृति को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी में है। घटना के समय कमरे में मौजूद रहने के कारण कृति को इस हत्याकांड का अहम गवाह माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, बेटी ने पूछताछ में बताया कि पिता के मरने की असली वजह भाई अक्षत प्रताप ही बता सकता है। ...क्योंकि जब उसने गोली चलाई तब मेरी आंख खुली। मैं रोने लगी तो मुझसे बोला चुप हो जाओ नहीं तो तुम्हें भी मार दूंगा। 19 और 20 फरवरी की रात के बाद से कृति भाई को बचाने के लिए सच को छिपाती रही थी। 20 फरवरी की सुबह 4:30 बजे आरोपी अक्षत ने राइफल से अपने पिता मानवेंद्र सिंह को गोली मार दी थी। घटना के वक्त कृति उसी कमरे में मौजूद थी और गोली की आवाज से उसकी नींद खुल गई थी। पुलिस ने कृति से विस्तार से पूछताछ की है। उससे यह जानने की कोशिश की गई कि गोली चलने के बाद उसने क्या देखा, राइफल कहां पड़ी थी।

2027 में सपा सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा: अखिलेश

पीडीए को बताया सकारात्मक विचार और सामाजिक न्याय का आधार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की स्थापना और लोकतंत्र, संविधान, धर्मनिरपेक्षता तथा समाजवाद की रक्षा के लिए पार्टी को मजबूती के साथ आगे बढ़ना होगा। रविवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता को भ्रमित करने और विपक्ष को कमजोर करने के लिए झूठ और षड्यंत्र का सहारा लेती है। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा पीडीए

(पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) को बदनाम करने के लिए कुप्रचार करेगी, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं को इससे सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने विरोधियों को झूठे मुकदमों में फंसाकर उन्हें दबाने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि पीडीए एक सकारात्मक और प्रगतिशील विचारधारा है, जिसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर विकास करना है। इसके विपरीत भाजपा का एनडीए नकारात्मक सोच का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पीडीए की विचारधारा को मजबूती से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की नीतियों से किसान, नौजवान, महिलाएं और व्यापारी सहित समाज का हर वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से पीड़ित और अपमानित लोग अब समाजवादी पार्टी के साथ खड़े हो रहे हैं और बदलाव चाहते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने धार्मिक और सामाजिक नेताओं का सम्मान नहीं किया और जनता का भरोसा खो दिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता अब समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में कोई ठोस विकास नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश नहीं आया और सरकार विकास के मोर्चे पर विफल रही है।

मौत: लिखा- मेरी जान ही नहीं रही तो जी के क्या करूंगा, सुल्तानपुर में साथ दफनाए गए

गर्लफ्रेंड की मौत के बाद प्रेमी का सुसाइड

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। यूपी के सुलतानपुर में गर्लफ्रेंड की मौत के बाद प्रेमी ने सुसाइड कर लिया। दोनों 3 साल से रिलेशन में थे। गर्लफ्रेंड की 25 फरवरी की दोपहर सड़क हादसे में मौत हो गई थी। खबर सुनते ही युवक का दिल टूट गया। उसे आखिरी बार देखने घर पहुंचा। पता चला कि उसे दफना दिया गया है। युवक सीधे कब्रिस्तान पहुंचा। कब्र खोदने लगा। वहां मौजूद लोगों ने रोका तो वह वहां से चला गया। फिर वापस नहीं लौटा। दो दिन बाद यानी 28 फरवरी को उसका शव एक बाग में फांसी पर लटकता मिला। परिजनों ने उसे गर्लफ्रेंड की कब्र के पास ही दफना दिया। इस बीच, युवक के सुसाइड से पहले का इंस्टाग्राम पोस्ट सामने आया। इसमें लिखा था- हेलो भाई... ये मेरा आखिरी वीडियो है। जब मेरी जान ही इस दुनिया में नहीं रही तो मैं जी के क्या करूंगा। मुझे माफ करना भाई लोग, बाय। मामला लंभुआ

कोतवाली क्षेत्र के भागीरथ पट्टी, घाटमपुर उत्तरी गांव का है। घाटमपुर का रहने वाला विनीत (25) तीन भाइयों में सबसे छोटा था। चौथी कक्षा तक पढ़ा था। उसके पिता की मृत्यु 5 साल पहले हो चुकी है। एक कपड़े की दुकान में काम करता था। यहीं पर एक लड़की अर्पिता भी काम करती थी। दोनों एक दूसरे को पसंद करते थे। धीरे-धीरे दोनों में प्यार हो गया। विनीत के भाई स्वामित्त ने बताया कि 25 फरवरी को एक सड़क हादसे में अर्पिता मौत हो गई थी। वह अपने भाई के साथ बाजार गई थी, जहां एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी।

> *भाई ने बताया- अगले दिन अर्पिता की मौत की जानकारी जब विनीत को लगी तो वह सदमे में आ गया। वह आखिरी बार अर्पिता को देखने उसके घर गया। वहां पर वह रोते-रोते बेहोश हो गया। फिर हम उसे घर वापस ले आए। विनीत की भाभी काजल ने बताया- अर्पिता की मौत के बाद से विनीत बहुत परेशान था। खाना-पीना छोड़ दिया। किसी से बात नहीं कर रहा था। शाम को दोबारा वहां गया। पता चला कि उसे दफना दिया गया है।*

यह तस्वीर विनीत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड की है।

उन्होंने बताया कि लोगों ने उसे रोका तो वह भाग गया। फिर वापस नहीं लौटा। उसे काफी खोजा गया, लेकिन मिला नहीं। इसके बाद थाने में विनीत की गुमशुदगी दर्ज कराई गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

सुप्रीम लीडर...

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामनेई के मारे जाने की बात कही थी। इसके कुछ देर बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी उनके मारे जाने का दावा किया था। रविवार सुबह ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी 'तसनीम' और 'फार्स' ने इसकी पुष्टि की। इधर ईरानी सेना ने कहा कि वह सबसे खतरनाक अभियान की शुरुआत करने जा रही है। ईरान ने इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के कई देशों में हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल में एक हमले में 8 लोगों की मौत हो गई है। इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया। हमलों से अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। ईरान ने भी देशों पर जवाबी हमले किए थे। वहीं, खामनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा, 'हमने एक महान नेता खो दिया है और पूरा देश शोक मना रहा है।' अयातुल्ला अली खामेनेई का जन्म 19 अप्रैल 1939 को ईरान के धार्मिक शहर मशहद में एक मौलवी परिवार में हुआ था। वे खोमैनी शाह की नीतियों के खिलाफ थे और इस्लामी शासन की वकालत करते थे। 1963 में शाह के खिलाफ भाषण देने पर उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। धीरे-धीरे वे सरकार विरोधी आंदोलन का बड़ा चेहरा बन गए और खोमैनी के भरोसेमंद सहयोगी माने जाने लगे। 1979 में ईरान में इस्लामी क्रांति हुई और शाह की सरकार गिर गई। खोमैनी देश लौटे और नई इस्लामी सरकार बनाई। खामेनेई को क्रांतिकारी परिषद में जगह मिली और बाद में उप रक्षामंत्री बनाया गया। 1981 में तेहरान की एक मस्जिद में भाषण के दौरान खामेनेई पर बम हमला हुआ। उसी साल एक और बम धमाके में तत्कालीन राष्ट्रपति की मौत हो गई। इसके बाद हुए चुनाव में खामेनेई भारी बहुमत से जीतकर ईरान के तीसरे राष्ट्रपति बने। 1989 में खोमैनी के निधन के बाद खामेनेई को देश का सर्वोच्च नेता यानी 'रहबर' बनाया गया। इसके लिए संविधान में बदलाव भी किया गया। समर्थक उन्हें इस्लामी व्यवस्था का मजबूत रक्षक मानते हैं, जबकि आलोचक उन पर सख्त और कट्टर शासन चलाने का आरोप लगाते हैं।

विकसित भारत...

हमारा सामूहिक लक्ष्य एक विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। इसके बाद पीएम मदुरै के तिरुप्परनकुंद्रम स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर भी गए। वहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और दंडवत प्रणाम किया। मंदिर के पुजारियों ने पीएम को भगवान की तस्वीर भेंट की। हाल ही में मैंने सुना कि डीएमके के किसी व्यक्ति ने कहा कि उन्हें मेरे पिता या मुझसे डर नहीं लगता। मैं यह बात स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि लोकतंत्र में कोई किसी से नहीं डरता। इसलिए, जब कोई कहता है कि उन्हें मुझसे डर नहीं लगता, तो वे मेरी आलोचना नहीं कर रहे हैं; बल्कि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति मेरी प्रतिबद्धता की सराहना कर रहे हैं। आज तमिलनाडु की महिलाएं गंभीर संकट में हैं। अपराध बढ़ रहा है। लगभग हर दूसरे दिन महिलाओं के खिलाफ किसी न किसी अपराध की खबर सुनने को मिलती है। इसके अलावा, महिलाएं अपने परिवारों को ड्रग माफिया और शराब के चंगुल में बर्बाद होते देख रही हैं। उन्हें याद आता है कि अम्मा के समय उनका जीवन कितना बेहतर था। तमिलनाडु एक तटीय राज्य है और इसमें विकास की अपार संभावनाएं हैं। लेकिन जब कांग्रेस और डीएमके पहले सत्ता में थीं, तब वे निष्क्रिय थीं। मदुरवॉयल कॉरिडोर रुका रहा, थूथुकुडी ट्रांसशिपमेंट सिर्फ कागजों पर ही रह गया। 2014 के बाद हमें चेन्नई बंदरगाह मिला। हमने बंदरगाह और मदुरवॉयल एलिवेटेड कॉरिडोर को पुनर्जीवित किया। हमने कामराजा और चेन्नई बंदरगाह को एकीकृत करके भारत का पहला पोर्ट क्लस्टर बनाया। तमिलनाडु एक तटीय राज्य है और इसमें अपार संभावनाएं हैं। लेकिन जब कांग्रेस और डीएमके पहले सत्ता में थीं, तब वे निष्क्रिय थीं। मदुरवॉयल कॉरिडोर का काम रुका रहा, थूथुकुडी से माल ढुलाई का काम केवल कागजों पर ही रह गया। 2014 के बाद हमें चेन्नई बंदरगाह मिला। डीएमके न तो गरीबों के लिए काम करती है और न ही दूसरों को काम करने देती है। मैं आपको एक उदाहरण देता हूं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत तमिलनाडु में छह लाख से अधिक घर पूरे हो चुके हैं। इन परिवारों को अपना घर मिल गया है... वहीं दूसरी ओर, डीएमके की वजह से लगभग तीन लाख घर अभी भी अधूरे हैं। DMK मदुरै में माफिया-शैली की राजनीति लेकर आई। उन्होंने खराब सड़कें, खराब जल निकासी व्यवस्था और अपशिष्ट प्रबंधन का अभाव पैदा किया। उन्होंने मदुरै को स्वच्छता के मामले में राष्ट्रीय रैंकिंग में सबसे निचले पायदान पर पहुंचा दिया। यहां तक कि भ्रष्टाचार के कारण मदुरै के DMK मेयर को भी इस्तीफा देना पड़ा। यही उनका मॉडल है, पैसा खुद के लिए, समस्याएं जनता के लिए! कुछ लोग तमिलनाडु में सत्ता में वापसी का सपना देख रहे हैं। जब वे एनडीए की विशाल रैली देखेंगे, तो उनके सपने बुरे सपने में बदल जाएंगे। लोग जानते हैं कि ये चुनाव राज्य के लिए निर्णायक मोड़ हैं।

गोपियों ने पुलिसवालों पर बरसाईं छड़ियां

विदेशियों को भी नहीं छोड़ा, दुल्हन की तरह सजकर खेली छड़ीमार होली

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। ब्रज में चारों ओर होली की धूम है। गोकुल में रविवार को छड़ीमार होली खेली गई। दुल्हन की तरह सजी महिलाओं ने भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के बाल स्वरूप को रंग लगाया। घूंघट में गोपियों ने भगवान पर गोटेदार कपड़ों से लिपटी छड़ियां बरसाईं गोपियों ने बड़ी संख्या में पहुंचे विदेशी सैलानियों पर भी दनादन छड़ियां बरसाईं। पुलिसवालों को भी नहीं छोड़ा। उन्हें देखकर लोग चिल्लाते हुए बोल रहे थे- और मारो, और मारो। बलदेव विधानसभा के बीजेपी विधायक पूरन प्रकाश ने राधा-कृष्ण बने कलाकारों संग डांस किया। इससे पहले, नंदभवन से दोपहर 12.30 बजे भगवान श्रीकृष्ण का डोला निकला। इस पर कन्हैया और बलराम के बाल स्वरूप सवार थे। लोग रंग-गुलाल उड़ाते हुए डोले के आगे-पीछे चलते दिखे रास्ते

में जगह-जगह यात्रा का स्वागत किया गया। फूल, रंग और अबीर बरसाए गए। चौराहों पर बड़े-बड़े स्टेज तैयार किए गए। उन पर महिलाएं सज-धजकर डांस करते दिखीं। गलियों में होली के गीत और 'जय राधे, जय कृष्णा' के भजन गूंजते रहे। इससे पहले, नंदगांव में गुरुवार (26 फरवरी) को लट्ठमार होली खेली गई थी। सजी-धजी राधारानी की सखियों ने बरसाना से आए हुरियारों पर लट्ठ बरसाए थे। बुधवार (25 फरवरी) को बरसाना में लट्ठमार होली खेली गई थी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676